भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4100

जिसका उत्तर दिनांक 17.07.2019 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा

4100. श्री कपिल मोरेश्वर पाटील :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता में की गई वृद्धि का ब्यौरा क्या है;

(ख) चालू वर्ष के दौरान विद्युत उत्पादन का कितना लक्ष्य तय किया गया है और इस संबंध में कितनी प्रगति हुई है;

(ग) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के अनुरक्षण और उन्नयन में उपयोग की गई राशि का ब्यौरा क्या है और ऊर्जा उत्पादन की प्रति इकाई लागत कितनी है;

(घ) क्या सरकार का मौजूदा संयंत्रों की ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने और ऊर्जा की बढ़ती मांग के लिए ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के संबंध में नए संयंत्र स्थापित करने का विचार है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान, मार्च 2017 में कुडनकुलम यूनिट-2 (केकेएनपीपी-2) के वाणिज्यिक प्रचालन आरम्भ होने पर नाभिकीय विद्युत क्षमता में 1000 मेगावाट की वृद्धि हुई है ।

(ख) चालू वर्ष 2019-20 के लिए निर्धारित उत्पादन लक्ष्य 39600 मिलियन यूनिट (एमयू) है । चालू वर्ष में उत्पादन (अप्रैल - जून 2019 की अवधि के दौरान) 11122 मिलियन यूनिट है ।

(ग) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उन्नयन और अनुरक्षण हेतु प्रचालन स्टेशनों में वहन किए गए पूंजीगत खर्च का विवरण तथा न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) का औसतन प्रशुल्क निम्नानुसार है :

वर्ष	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**, जून 2019 तक **(अनंतिम)**
पूंजीगत खर्चा (₹ करोड़ में)	93.78	230.67	741.03	67.14
नाभिकीय विद्युत का औसतन प्रशुल्क (₹ प्रति यूनिट)	2.95	3.55	3.40	3.41

(घ) तथा (ङ) जी, हाँ । मौजूदा स्थलों पर जहाँ भी संभावना है और नए ग्रीन फील्ड स्थलों पर नाभिकीय विद्युत रिएक्टर स्थापित कर क्षमता विस्तार की योजना बनाई गई है । विवरण निम्नानुसार है :

<u>निर्माणाधीन परियोजनाएं</u>

कुल 6700 मेगावाट क्षमता के नौ (09) नाभिकीय विद्युत रिएक्टर [भाविनी द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 500 मेगावाट प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) सहित] कमीशनन/निर्माण के विभिन्न चरणों पर है । विवरण निम्नानुसार है :

परियोजना	स्थान तथा राज्य	क्षमता (मेगावाट)
केएपीपी - 3 तथा 4	काकरापार, गुजरात	2x700
आरएपीपी - 7 तथा 8	रावतभाटा, राजस्थान	2x700
केकेएनपीपी - 3 तथा 4	कुडनकुलम, तमिल नाडु	2x1000
जीएचएवीपी - 1 तथा 2	गोरखपुर, हरियाणा	2x700
पीएफबीआर	कल्पाक्कम, तमिल नाडु	1x500*

* भाविनी द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है ।

उपरोक्त परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता, वर्ष 2024-2025 तक 13480 मेगावाट तक पहुंच जाएगी ।

<u>प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय संस्वीकृति प्राप्त परियोजनाएं और परियोजना-पूर्व गतिविधियों के अधीन परियोजनाएं</u>

सरकार ने जून 2017 में कुल 9000 मेगावाट क्षमता वाले निम्नलिखित और बारह (12) रिएक्टरों के लिए भी प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय संस्वीकृति प्रदान की है, जिन्हें वर्ष 2031 तक क्रमिक रूप से पूरा किया जाना है । विवरण निम्नानुसार है :

परियोजना	स्थान तथा राज्य	क्षमता (मेगावाट)
चुटका-1 तथा 2	चुटका, मध्य प्रदेश	2 X 700
कैगा - 5 तथा 6	कैगा, कर्नाटक	2 X 700
माही बांसवाड़ा - 1 तथा 2	माही बांसवाड़ा, राजस्थान	2 X 700
जीएचएवीपी - 3 तथा 4	गोरखपुर, हरियाणा	2 X 700
माही बांसवाड़ा - 3 तथा 4	माही बांसवाड़ा, राजस्थान	2 X 700
केकेएनपीपी - 5 तथा 6	कुडनकुलम, तमिल नाडु	2 X 1000

भाविनी द्वारा क्रियान्वित की जा रही क्षमता को मिलाकर, कुल नाभिकीय विद्युत क्षमता, वर्ष 2031 तक 22480 मेगावाट तक पहुंच जाएगी ।

<u>भविष्य में नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए 'सिद्धांतत:' अनुमोदित स्थल</u>

इसके आगे, सरकार ने भविष्य में नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए निम्नलिखित स्थलों को 'सिद्धांतत:' अनुमोदन प्रदान किया है :

स्थल	स्थान तथा राज्य	क्षमता (मेगावाट)
भीमपुर, यूनिट- 1 से 4	भीमपुर, मध्य प्रदेश	4 X 700
जैतापुर, यूनिट - 1 से 6	जैतापुर, महाराष्ट्र	6 x 1650
कोव्वाडा, यूनिट-1 से 6	कोव्वाडा, आंध्र प्रदेश	6 x 1208
छाया मीठी विरदी, यूनिट- 1 से 6	छाया मीठी विरदी, गुजरात	6 x 1000*
हरिपुर, यूनिट-1 से 6	हरिपुर, पश्चिम बंगाल	6 x 1000*

* सांकेतिक क्षमता

*****